[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5971 **F** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 227501

Name of the Paper : Indian Economic Development Since 1947 II

Name of the Course : **B.A. (H) Economics**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** Questions carry equal marks 15 marks each.
4. Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. सभी प्रश्नों के मान समान है, 15 अंक प्रति प्रश्न।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. What, according to you, could be some probable causative factors responsible for the 'macroeconomic reversal' witnessed during the period 2003-04 to 2013-14 in India's economy from a phase of 'high growth with low inflation to one of low growth with high inflation'?

   आप के अनुसार, वर्ष 2003-04 से वर्ष 2013-14 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में होने वाले "व्यापक आर्थिक बदलाव" जिसमें कम मुद्रास्फीति के साथ अधिक संवृद्धि से अधिक मुद्रा स्फीति के साथ क्रम संवृद्धि के चरण को देखे जाने के संभावित कारक क्या-क्या हो सकते हैं?

2. In light of India's trade performance roughly over the last decade, suggest some strategic measures which may be adopted to correct the widening trade imbalance.

P.T.O.

मोटे तौर पर पिछले एक दशक में भारत के व्यापार निष्पादन के संदर्भ में, बढ़ते व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ रणनीतिक उपाय बतायें।

3. Discuss, with special reference to India's experience, the possibility of evolving labour laws that can help protect the intersts of workers as well as employers.

भारत के अनुभव के विशेष संदर्भ में, मजदूरों के साथ-साथ नियोक्ताओं के हितों की रक्षा करने में सहायक होने वाले श्रम कानूनों को विकसित करने की संभावना की व्याख्या करें।

4. Why do you think is it essential to give particular attention to India's agricultural sector for promoting a more inclusive and sustainable overall growth? Suggest some policies for the same.

आप ऐसा क्यों समझते हैं कि एक अधिक समावेशी और सतत् विकास के लिए भारत के कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है? इसके लिए कुछ नीतियों का सुझाव दीजिए।

5. Would you consider it judicious a adopt a combination of price and non-price interventions in India's agriculture to protect the interests of both producers and consumers? Explain.

क्या आप उत्पादकों एवं उपभोक्ताओं दोनों के हितों की रक्षा के लिए भारत के कृषि क्षेत्र में कीमत तथा गैर कीमत हस्तक्षेप के संयोजन को अपनाना विवेकपूर्ण समझेंगे? व्याख्या कीजिए।

6. Assess the strengths and weaknesses of 'the Competition Act, 2002' in conforming to the principles of modern 'anti-trust' law.

आधुनिक "एंटी-ट्रस्ट कानून" के सिद्धांतों के अनुरूप "प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002" के ताकत और कमजोरियों का आंकलन करें।

7. To what extent can the persistence of 'dualism' in India's manufacturing sector be held responsible for the slowing down of its expected dynamic role in promoting growth and expanding employment in the economy?

अर्थव्यवस्था में समृद्धि और रोजगार के विस्तार को बढ़ावा देने में इनकी संभावित गतिशील भूमिका को धीमा करने में भारत के विनिर्माण क्षेत्र में उपस्थित "द्वैतवाद" को किस हद का जिम्मेदार ठहराया जा सकता है?

8. While the service sector undoubtedly contributed to accelerating the growth of India's economy in the 1990's, it could not similarly help in expanding the opportunities of employment for its people. Discuss.

निस्संदेह सेवा क्षेत्र ने 1990 में भारत की अर्थव्यवस्था में संवृद्धि को तेज करने में योगदान दिया, यह इसी तरह से अपने लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करने में सहायता नहीं कर सका। व्याख्या कीजिए।